नईदुनिया

सहयोग का वादा कर पलट गए..., नवाज शरीफ ने 2013 का वाकया याद कर इमरान खान पर धोखा देने का लगाया आरोप

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान की एक जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उन पर पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएलएन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ ने साल 2013 में साजिश रचने का आरोप लगाया है। शरीफ का कहना है कि 11 साल पहले चुनाव के बाद सहयोग का आश्वासन देने के बावजूद विरोध रैलियां निकालकर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक खान ने उनकी पीठ में छुरा घोंपा था।

साल 2013 में सत्ता संभालने के बाद - लाहौर में पीएमएलएन की केंद्रीय कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक को संबोधित करते हुए नवाज ने कहा कि साल 2013 में सत्ता संभालने के बाद वह इमरान से मिलने बनीगाला स्थित उनके आवास पर गए थे। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेता देश की खातिर कामकाजी रिश्ते पर सहमत हुए थे।

अगर आपत्ति थी तो बता देते: शरीफ - शरीफ ने आगे कहा कि इमरान मुलाकात के कुछ दिन बाद अन्य नेताओं के साथ लंदन गए थे। वहां उन्होंने साजिश रची। वापस लौटने पर देश में विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। उन्होंने कहा कि वह इस इस घटनाक्रम से हैरान रह गए थे। नवाज ने कहा कि अगर खान या पीटीआई को किसी बात से आपत्ति थी, तो उन्हें हमें इसकी जानकारी देनी चाहिए थी। एक रिपोर्ट में नवाज का हवाला देते हुए कहा गया, मैं आपसे मिलने जाता हूं और आप सहयोग का आश्वासन देकर मेरी पीठ में छुरा घोंपते हैं। फिर आप इस्लामाबाद के डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन शुरू करते हैं उन्होंने कहा कि उनके मंत्रिमंडल ने भी पुलिस द्वारा विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई करने का आह्वान किया था, लेकिन उन्होंने पुलिस से ऐसा करने से बचने को कहा।

पाकिस्तान को बर्बाद कर दिया - पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि यह रिकॉर्ड में दर्ज है कि उनकी सरकार ने 2013 के चुनावों के बाद खैबर पख्तूनख्वा में पीटीआई सरकार के गठन में बाधा नहीं डाली थी, जबकि वह गठबंधन के माध्यम से ऐसा कर सकते थे। पीएमएलएन प्रमुख ने कहा कि हम उन लोगों की जवाबदेही तय करने का आह्वान करते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान को बर्बाद कर दिया। नवाज ने लोगों से कहा कि उन्हें वोट डालने से पहले इन सब पहलुओं पर विचार करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

हमास की क्रूरता पर नए खुलासे, गाजा पट्टी से तीन बंधकों के बाद अब एक और इस्राइली का मिला शव

यरुशलम । हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हमास के आतंकियों की दरिंदगी पूरी दुनिया देख रही है। एक के बाद एक बंधकों के शव इजराइल रक्षा बलों को मिल रहे हैं। एक दिन पहले जहां तीन शव बरामद किए गए थे। वहीं अब एक और बंधक की लाश मिली है। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सेना ने गाजा पट्टी से एक और बंधक का शव बरामद कर लिया है। इससे पहले कल सेना ने एलान किया था कि एक विशेष मिशन के तहत तीन बंधकों के शव को वापस लाया गया। जिन तीन लोगों के शव बरामद हुए थी, उनकी पहचान 53 साल के इत्जाक गेलेंटर, 28 साल के अमित बुस्किला और 23 वर्षीय शानी लौक के रूप में हुई थी। 53 साल के शख्स का शव बरामद हगारी ने कहा, सात अक्तूबर को हमास ने इजराइल में नोवा म्यूजिक फेस्टिवल पर हमला कर दिया था। आतंकवादियों ने उस वक्त कईयों को अगवा कर लिया था। अब जिस बंधक का शव बरामद हुआ है उसकी पहचान 53 साल के रॉन बेंजामिन के रूप में हुई है। उसे मेफलसिम के पास मार डाला था और उनके शव को गाजा ले जाया गया था। हगारी ने कहा, चलाए गए अभियान में उनका शव गेलेंटर, बुस्किला और लौक के साथ बरामद किया गया है। बेटियों को भेजा था संदेश एक रिपोर्ट के अनुसार, बेंजामिन को आखिरी बार सात अक्तूबर को सुबह साढ़े सात बजे सुना गया था। दरअसल, उन्होंने अपनी दो बेटियों के लिए एक वॉइस मैसेज छोड़ा था, जिसमें उन्होंने बताया था कि वह बाइक से रेहोवोट जा रहे थे, तभी रॉकेटों का हमला दिखाई दिया। उस सुबह, बेंजामिन किबुतज बेरी के पास बाइक की सवारी के लिए दोस्तों के साथ मिलने के लिए सुबह साढ़े छह बजे निकले थे। जब उन्होंने सायरन सुना तो घर जाने का फैसला किया। उन्होंने अपनी पत्नी ऐलेट के साथ बात की और अपनी बेटी के लिए एक संदेश छोड़ा। बालों और टैटू से की थी पहचान इसस पहले जिन लोगों के शव बरामद किए गए थे, उनमें 23 साल की लौक भी शामिल थी। इजराइल ने अक्तूबर के अंत में 23 साल की टैटू कलाकार जर्मन-इस्राइली लौक की मौत की पुष्टि की थी। जानकारी के मुताबिक, शानी लौक को उस वक्त बंधक बनाया लिया गया था, जब वह गाजा सीमा के पास सुपरनोवा संगीत समारोह में शिरकत करने पहुंची थीं। इस संगीत समारोह पर सात अक्तूबर को अचानक हमास ने हमला कर दिया था। इस दौरान कई लोग मारे गए थे और हमास की दरिंदगी के कई वीडियो भी वायरल हुए थे। हमास के आतंकियों ने लौक को बंधक बनाने के बाद एक पिकअप ट्रक में निर्वस्त्र कर घुमाया था। एक वायरल वीडियो में उन्हें पिकअप ट्रक में औंधे मुंह लेटी हुई देखा गया। परिवार ने उनकी पहचान बालों और टैटू से की थी। इस्राइली युद्ध कैबिनेट के सदस्य ने दी इस्तीफा देने की धमकी गाजा में चल रहे युद्ध को लेकर इस्राइली नेताओं के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए, इस्राइली युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज ने सरकार से इस्तीफा देने की धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर सरकार तीन सप्ताह के भीतर गाजा में युद्ध के लिए कोई नई योजना नहीं अपनाती है, तो वह इस्तीफा दे देंगे।

तोशाखाना मामले में नया खुलासा इमरान खान पर अवैध रूप से लेनदेन का आरोप

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान की मुसीबतें बढ़ गई है। जब राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो की एक जांच में उन पर भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में बताया। इमरान खान और उनकी पत्नी को पहले तोशाखाना मामले में राज्य उपहार भंडार से संबंधित भ्रष्ट आचरण के लिए दोषी ठहराया गया था। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में हैं। अब हाल ही में एक जांच में सामने आया कि इमरान खान ने अपने कार्यकाल के दौरान राज्य उपहार भंडार से जुड़ी सात घड़ियां अवैध रूप से खरीदीं और बेची। एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य के प्रमुख, प्रथम महिला या राष्ट्रपति द्वारा 30,000 पीकेआर से अधिक मूल्य वाले किसी भी उपहार को राज्य भंडार में पंजीकृत किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी पिछले तोशखाना मामले में भी दोषी थीं। उन्हें आभूषण के साथ घड़ी ली और अपने पास रख भी ली। जिसमें एक अंगूठी और एक हार भी रखा था। जबकि इसे डिपॉजिटरी में जमा किया जाना चाहिए था। यही नहीं राज्य के उपहारों को कम कीमत पर हासिल किया गया। जांच के दौरान मूल्यांकन में कई विसंगतियां सामने आई। जिसमें विलासिता की वस्तुओं का मूल्यांकन किसी अनुभवहीन से करवाया गया। जिस कारण यह मूल्यांकन कम रहा।

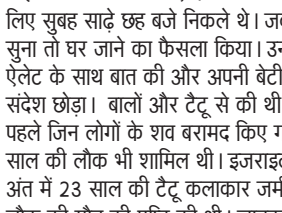

एक बार फिर अंतरिक्ष में उड़ान भरेगी ब्लू ओरिजिन सबसे बुजुर्ग यात्री को भेजने का बन सकता रिकॉर्ड

वॉशिंगटन ।
अंतरिक्ष की सैर करना हर किसी का ख्वाब होता है। पर ऐसे खुशनसीब लोग कम ही होते हैं, जिनका ये ख्वाब पूरा हो पाता है। हालांकि, अब कुछ लोगों का यह सपना पूरा होने वाला है। ब्लू ओरिजिन करीब दो साल बाद छह लोगों को अंतरिक्ष भेजने वाला है। साल 2022 में इसका एक रॉकेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसके बाद कंपनी ने उड़ान पर रोक लगा दी थी।

अंतरिक्ष पर्यटन बाजार में फिर बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा - अब एक बार फिर अमेजन कंपनी के फाउंडर जेफ बेजोस की कंपनी सबऑर्बिटल रॉकेट को लॉन्च करने को तैयार है। इससे अंतरिक्ष पर्यटन बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जिन छह लोगों को अंतरिक्ष भेजा जा रहा है उनमें पूर्व वायुसेना पायलट एड ड्वाइट भी शामिल हैं। इन्हें 1961 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने देश के पहले अश्वेत अंतरिक्ष यात्री उम्मीदवार के रूप में चुना था, लेकिन उन्हें कभी भी अंतरिक्ष में उड़ान भरने का अवसर नहीं दिया गया।

छह लोग भरेंगे उड़ान - जानकारी के अनुसार, अमेरिका के समयानुसार सुबह करीब साढ़े आठ बजे पश्चिम टेक्सास में कंपनी के लॉन्च साइट वन बेस से सभी छह लोग उड़ान भरेंगे। इस उड़ान के साथ ही पूर्व वायुसेना पायलट एक नया इतिहास रचने वाले हैं। 90 साल, आठ महीने और 10 दिन की उम्र वाले ड्वाइट अंतरिक्ष में जाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बन जाएंगे। वह स्टार ट्रेक अभिनेता विलियम शैटनर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।

जानिए कौन हैं विलियम शैटनर

- शैटनर का जन्म 22 मार्च, 1931 को कनाडा में हुआ था। यह कनाडाई अभिनेता के रूप में जाने जाते हैं। वह एक अभिनेता होने के साथ ही लेखक, डायरेक्टर, प्रड्यूसर, स्क्रीनराइटर और गायक हैं।

वह साल 2021 में अंतरिक्ष यात्री भी बन गए। शैटनर ने 90 साल की उम्र में अंतरिक्ष की सैर कर सबसे उम्रदराज अंतरिक्ष यात्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया था। ये ब्लू ओरिजिन की कोई पहली उड़ान नहीं है। न्यू शेफर्ड-25 (एनएस-25) मिशन के लिए सातवीं उड़ान है। छह लोगों में शामिल फ्रांसीसी उद्यमी सिल्वेन शिरोन इस उड़ान को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह इंसानी दुनिया को बिना सीमाओं और सुंदरता के साथ आसमान से देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

लिट्टे से संघर्ष में जबरन गायब किए गए लोगों को लेकर सवाल पर भड़का श्रीलंका, यूएन की रिपोर्ट पर जताई नाराजगी

कोलंबो । श्रीलंका ने इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (ओएचसीएचआर) के कार्यालय द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के समय और अधिदेश पर सवाल उठाया है। दरअसल, रिपोर्ट में देश की सरकार से लिट्टे के साथ सशस्त्र संघर्ष के दौरान जबरन गायब किए गए लोगों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा गया है। यूएन की रिपोर्ट में क्या ओएचसीएचआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीलंका सरकार को उन हजारों लोगों के बारे में खुलासा करने के लिए सार्थक कार्रवाई करनी चाहिए, जिन्हें दशकों से जबरन गायब किया गया है। साथ ही इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाने को भी कहा है। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, मंत्रालय आधिकारिक तौर पर ओएचसीएचआर को रिपोर्ट जारी करने की एकतरफा कार्रवाई और विशेष रूप से इसके समय को लेकर सवाल उठाएगा। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त को एक पत्र लिखा जाएगा। श्रीलंका समय को लेकर नाराज तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने 18 मई, 2009 को 26 साल के युद्ध की समाप्ति की घोषणा की थी, जिसमें 100,000 से अधिक लोग मारे गए थे और लाखों श्रीलंकाई, मुख्य रूप से अल्पसंख्यक तमिल, देश और विदेश में शरणार्थी के रूप में विस्थापित हुए थे।

180 छात्रों को लेकर लाहौर पहुंचा विशेष विमान, पाकिस्तानी दूतावास की सलाह- घर के अंदर रहें

लाहौर (पाकिस्तान) ।
किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हिंसा भड़की हुई है। विदेशी छात्रों पर हमले किए जा रहे हैं। हिंसा के बीच 180 पाकिस्तानी छात्र लाहौर पहुंच चुके हैं। छात्रों को लेकर एक विशेष विमान अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। जहां पर आंतरिक मंत्री ने छात्रों का स्वागत किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किर्गिज पुलिस ने कहा कि उन्होंने हिंसा रोकने के लिए मध्य एशियाई देश की राजधानी में सेना जुटाई थी, लेकिन सैकड़ों किर्गिज लोगों ने पाकिस्तानियों सहित विदेशी छात्रों के आवास वाली इमारतों पर हमला कर दिया था।

पाकिस्तानी दूतावास के अनुसार, किर्गिज राजधानी में 13 मई को मिस्र के लोगों के साथ विवाद के बाद वहां के स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानियों सहित विदेशी छात्रों पर हमला कर दिया था। रिपोर्ट में किर्गिज स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया है कि हिंसा में 29 लोग घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि 14 विदेशियों को इलाज के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। राजदूत जैगम ने पाकिस्तानी छात्रों को दी सलाह सरकारी पाकिस्तान टेलीविजन (पीटीवी) ने कहा कि बिश्केक से 180 पाकिस्तानी छात्रों को लेकर विशेष उड़ान पाकिस्तान पहुंच चुकी है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने हिंसा के बीच से सुरक्षित पहला बैच लहौर पहुंचने पर स्वागत किया। वहीं, किर्गिस्तान में पाकिस्तानी दूतावास ने बिश्केक में पाकिस्तानी छात्रों को घर के अंदर रहने की सलाह देते हुए एक निर्देश जारी किया है। किर्गिस्तान में पाकिस्तान के राजदूत हसन जैगम ने एक्स पर अपने छात्रों के लिए एक सलाह साझा की। उन्होंने कहा, हम अपने छात्र समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ संपर्क कर रहे हैं।

भारत ने भी छात्रों को सतर्क रहने की दी सलाह

इससे पहले भारत ने भी हिंसा पर चिंता जाहिर की थी। साथ ही भारतीय छात्रों को सतर्क रहने के लिए कहा। भारतीय दूतावास ने छात्रों को घर के अंदर ही रहने की सलाह दी थी। साथ ही कहा कि आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क करें।

ताइवान के इर्द-गिर्द नजर आए चीन के सैन्य विमान और जहाज, अलर्ट जारी; रक्षा मंत्रालय ने जारी किया बयान

ताइपे।
ताइवान के पास मिले चीन के सात सैन्य विमान और जहाज मिले हैं। अलर्ट जारी करते हुए उन्होंने ताइवान रक्षा मंत्रालय ने उसका जवाब दिया। चीन और ताइवान के बीच काफी लंबे समय से तनाव चल रहा है। चीन ताइवान पर अपने अपने संप्रभुता का दावा करता है। बता दें कि ताइवान ने अक्सर चीन की सैन्य गतिविधियों और बलपूर्वक ताइवान को मुख्य भूमि के साथ फिर से जोड़ने की उसकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में चिंता जता चुका है। एमएनडी ने पिछले कुछ वर्षों से चीनी सैन्य गतिविधियों पर दैनिक रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार उन चीनी विमानों, ड्रोन और गुब्बारों की पहचान की है जो ताइवान जलडमरूमध्य मध्य रेखा को पार करके ताइवान की ओर आते पाए गए हैं। इसी बीच ताइवान रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने सात सैन्य विमान और सात पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) जहाजों का पता लगाया। एमएनडी ने कहा कि ताइवान के सशस्त्र बलों (आरओसीआर्म्डफोर्सेज) ने निगरानी की और तुरंत इसका जवाब दिया। ताइवान रक्षा

मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ताइवान के आसपास सक्रिय 7 पीएलए विमान और 7 पलैन जहाजों का पता लगाया गया था। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने ताइवान के पास चीनी सैन्य विमानों और जहाजों की एक महत्वपूर्ण उपस्थिति का पता लगाने की पुष्टि की। मंत्रालय के बयान के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास 18 चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी विमान और चार पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी जहाजों का पता चला था। उन्होंने बताया कि विमानों में से 12 के मध्य रेखा को पार करने और ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिम वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश करने की सूचना मिली थी।

राष्ट्रपति ने विवादास्पद विदेशी एजेंट विधेयक पर किया वीटो, हाल में हुए थे बड़े पैमाने पर प्रदर्शन

त्बिलिसी ।
देश में भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच जॉर्जिया की राष्ट्रपति ने एक विवादित विधेयक पर वीटो किया। इसके मुताबिक अगर मीडिया और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को विदेश से 20 फीसदी से ज्यादा पैसा मिलता है, तो उन्हें विदेशी शक्ति वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी।

जॉर्जिया की राष्ट्रपति सैलोम जौराबिचविली ने मीडिया को निशाना बनाने वाले एक विवादित विधेयक पर वीटो कर दिया। इस विधेयक के खिलाफ बीते हफ्तों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। इसके मुताबिक, अगर मीडिया और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को विदेश से 20 फीसदी से ज्यादा पैसा मिलता है, तो उन्हें विदेशी शक्ति वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी। राष्ट्रपति ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि वह इस कानून को अस्वीकार्य मानती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति

जौराबिचविली ने विवादास्पद विदेशी एजेंट विधेयक से पैदा हुए तनाव को कम करने के मकसद से कानून को वीटो किया। इस कानून की व्यापक आलोचना हुई थी और इसके खिलाफ अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिले थे। इन प्रदर्शनों ने जॉर्जिया की लोकतांत्रिक साख और यूरोपीय संघ की आकांक्षाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। उन्होंने इसे रूसी कानून करार दिया।

हालांकि, राष्ट्रपति जौराबिचलविली का वीटो केवल इस प्रस्तावित कानून में देरी करने का काम कर सकता है, क्योंकि संसद एक अतिरिक्त वोट के साथ इसे रद्द करने की शक्ति रखती है। सत्तारूढ़ जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी की ओर से प्रस्तावित और इस हफ्ते के शुरू में संसद द्वारा पारित कानून में गैर सरकारी संगठनों और मीडिया आउटलेट्स को विदेश से अपने वित्त पोषण का 20 फीसदी से अधिक धन प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी।

वीटो करने के बाद जौराबिचविली ने कहा, आज, मैंने रूसी कानून को वीटो कर दिया। यह कानून अपने सार और भावना में मौलिक रूप से रूसी है, जो हमारे संविधान और सभी यूरोपीय मानकों का उल्लंघन करता है। इस प्रकार यह हमारे यूरोपीय मार्ग के लिए एक बाधा पैदा करता है। इस कानून को निरस्त किया जाना चाहिए।

कहां हैं पंचेन लामा जिनसे डरता है चीन, छह साल की उम्र में कर लिया था अगवा, अब अमेरिका ने मांगा पता

वॉशिंगटन ।
अमेरिका और चीन के बीच का तनाव किसी से छिपा नहीं है। आए दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर आपस में तनातनी बनी रहती है। अब अमेरिका ने चीन पर तिब्बती आध्यात्मिक नेता को लेकर दवाब बनाना शुरू कर दिया। उसने बीजिंग से सवाल पूछा है और जानना चाहा है कि तिब्बती आध्यात्मिक नेता पंचेन लामा कहां हैं अमेरिका ने सुदूर हिमालयी क्षेत्र से तिब्बती आध्यात्मिक नेता के लापता होने की 29वीं बरसी के मौके पर चीन से पंचेन लामा के ठिकाने और उनकी भलाई के बारे में तुरंत जानकारी देने का आग्रह किया है।

कौन हैं पंचेन लामा

तिब्बती लोग दलाई लामा को अपना आध्यात्मिक नेता के साथ ही राजनीतिक नेता भी मानते हैं। 1995 में दलाई लामा ने छह साल के गेंडुन चोएकीय न्यीमा को 10वें पंचेन लामा के अवतार के रूप में मान्यता दी थी। मान्यता के सिर्फ तीन दिन बाद चीन ने बच्चे और उसके माता-पिता को साथ ले जाने की बात कही थी। उसके बाद से लेकर अबतक पंचेन को किसी नहीं देखा। कहा जाता है कि चीन ने बच्चे का अपहरण कर लिया था। बता दें, न्यीमा का जन्म 25 अप्रैल 1989 को

तिब्बत में हुआ था।

अमेरिका ने मांगी जानकारी

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के एक प्रेस बयान में कहा कि गेंडुन चोएकीय न्यीमा लापता हैं और उस दिन के बाद से सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। 'पंचेन लामा के गायब होने के 29 साल पूरे होने पर' उन्होंने कहा कि चीन सरकार तिब्बती समुदाय के सदस्यों को उनके महत्वपूर्ण धार्मिक व्यक्ति तक पहुंचने से रोक रही है। इसके बजाय राज्य-चयनित प्रॉक्सी को बढ़ावा देना जारी रख रही है।

17 मई 1995 से पूरा परिवार गायब

भारत में निर्वासित तिब्बती सरकार के एक बयान के अनुसार, 14 मई, 1995 को दलाई लामा ने आधिकारिक तौर पर न्यीमा को 11वें पंचेन लामा के रूप में घोषित किया था। 17 मई, 1995 में उन्हें और उनके पूरे परिवार को चीनी हिरासत में ले लिया गया था, जिससे वे छह साल की उम्र में दुनिया के सबसे कम उम्र के राजनीतिक कैदी बन गए।

चीन की कम्युनिस्ट सरकार इतने पर ही नहीं रुकी। बीजिंग ने एक दूसरे भिक्षु को पंचेन लामा के रूप में स्थापित करना शुरू कर दिया, जिसे दलाई लामा ने मान्यता नहीं दी थी और न ही उसकी कोई विश्वसनीयता है। लंबे समय से तिब्बती असली पंचेन लामा को रिहा करने की मांग कर रहे हैं।

तिब्बतियों के नेताओं का हो सम्मान

यह कहते हुए कि अमेरिका तिब्बतियों के मानवाधिकारों और उनकी विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषाई पहचान के संबंध में उन अधिकारों के प्रयोग का समर्थन करता है, मिलर ने कहा कि सभी धार्मिक समुदायों के सदस्यों की तरह तिब्बतियों को भी चयन करने की क्षमता होनी चाहिए। दलाई लामा और पंचेन लामा जैसे अपने स्वयं के नेताओं को उनकी अपनी मान्यताओं के अनुसार और सरकारी हस्तक्षेप के बिना शिक्षित करें और उनका सम्मान करें।

न्यीमा को तुरंत रिहा करने का आग्रह

विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, हम चीन की सरकार से न्यीमा के बारे में तुरंत जानकारी देने और उन्हें पीआरसी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अपने मानवाधिकारों का पूरी तरह से उपयोग करने की अनुमति देने का आग्रह करते हैं। चीन को तुरंत बिना शर्त पंचेन लामा, उनके माता-पिता को अपनी कैद से रिहा करना चाहिए।

चीन का क्या है कहना

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी पंचेन लामा को गायब करने के बाद से ही उनके बारे में जानकारी छिपाती रही है। पंचेन लामा के बारे में जो थोड़ी बहुत जानकारी है वह चीन के सरकारी स्रोतों से ही मिली है। साल 2022 के अप्रैल में चीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि न्यीमा जब बच्चे थे तो उन्हें मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा दी गई। कॉलेज से पास आउट होने के बाद अब वह नौकरी कर रहे हैं।